राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • बुधवार • 21 जून • 2023

सुखी व निरोगी जीवन के लिये योग आवश्यक'

र में सेमिनार का शुभारंभ करते कुलपति डॉ. आनंद कुमार।

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद ...वं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति ...ानंद कुमार सिंह ने कहा कि सुखी व ... जीवन के लिये योग को ...ना आवश्यक है। ...विद्यालय में आयोजित ...र को सम्बोधित करते हुए ...यान विशेषज्ञ रुद्रयोगी ने ...के योग विश्व की समस्त समस्याओं का ...न है।

...स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका' ...र आयोजित सेमिनार की अध्यक्षता करते ...लपति डॉ.आनंद कुमार सिंह ने कहा कि ... सफलता प्राप्त करने के लिये केन्द्रित ...ण की आवश्यकता है, जिसे योग और ... के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। कुलपति ने लोगों को जीवन में योग को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होते देखना भारत के लिये वड़े गर्व की वात है। योग वास्तव में शरीर का आत्मा में और आत्मा का परमात्मा में एक लय एकाकार हो जाना है। उन्होंने प्लास्टिक का प्रयोग तत्काल वंद करने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने की सलाह भी दी। यहां शिक्षाविद् व गहन ध्यान विशेषज्ञ रुद्रयोगी ने वताया कि योग विश्व में सभी समस्याओं का समाधान है। योग शरीर में औषधीय शक्ति जागृत करता है। योग को लेकर अव तक वैज्ञानिक दृष्टि स्थापित हो चुकी है। योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं, वल्कि एक सम्पूर्ण चिकित्सा विज्ञान और जीवन दर्शन है, सम्पूर्ण आध्यात्मिक विधा है। योग एक गंभीर दार्शनिक चिंतन है। आईआईटी कानपुर के डॉ. एसएल यादव ने कहा कि समाधि का अर्थ भगवान के समतुल्य हो जाना है। उन्होंने कहा कि योग और आसन किसी प्रशिक्षित योगाचार्य के मार्गदर्शन में ही किया जाना चाहिये। यहां राहुल यदुवंशी, डॉ.सोनाली धनवानी, डॉ.रामप्यारे, डॉ.पीके उपाध्याय, डॉ.सीएल मौर्य और डॉपीके सिंह आदि थे।

'स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका' पर सेमिनार आयोजित

योगाचार्यों को किया सम्मानित

योगाचार्यों को सम्मानित करतीं विधायक नीलिमा कटियार। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर स्वामी विवेकानंद प्रतिमा स्थल, मोतीझील पर आयोजित कार्यक्रम में विधायक नीलिमा कटियार द्वारा योगाचार्यों को सम्मानित किया गया।

कानपुर नागरिक मंच के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में योगाचार्य डॉ. ओम प्रकाश आनंद, विपिन कुमार पथिक (भारतीय योग चिकित्सक संघ), स्वाती पाण्डेय (योग प्रशिक्षक राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय), आकांक्षा सेंगर (महिला योग चिकित्सक), अंकित मिश्रा (अष्टांग, हठ योग व विपाशना ध्यान विशेज्ञ), हर्षिता तिवारी, पूनम रानी, किशनलाल व अंशिका तिवारी को योग के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए विधायक नीलिमा कटियार द्वारा पट्टिका पहनाकर व पुष्प गच्छ देकर सम्मानित किया गया। योगाचार्यों ने रोग मुक्त रहने के लिए जीवन में योग की अनिवार्यता पर विचार रखे। कहा कि शारीरिक श्रम के आभाव में रोग वढ़ रहे हैं। योग व ध्यान से शरीर व मन को स्वस्थ रखा जा सकता है।

कार्यक्रम में सुनील वजाज अध्यक्ष भाजपा उत्तर क्षेत्र, प्रदीप मिश्रा, विनय राज सिंह चंदेल, प्रेम प्रकाश निषाद, पार्षद पवन गुप्ता, पार्षद अरुण कुमार गर्ग, गोपाल शुक्ला, रत्नेश उपाध्याय, भक्ती शुक्ला, रानी शुक्ला, सपना निषाद, मानसी वनर्जी व ऊषा देवी आदि लोग मौजूद थे। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत में स्वामी विवेकानन्द की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया।

हिंदुस्तान कानपुर 21/06/2023

स्वस्थ रहने के लिए योग जरूरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। शुभारंभ विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने किया। कहा कि कामयाबी व स्वस्थ रहने के लिए योग व साधना जरूरी है।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 14 अंक : 346 कानपुर, बुधवार 21 जून 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

दो दिवसीय बैठक में कृषि विज्ञान केन्द्रों की होगी समीक्षा

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय में मंगलवार को वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की दो दिवसीय समीक्षा बैठक निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव के कुशल नेतृत्व में प्रारंभ हुई। इस समीक्षा बैठक में आईसीएआर अटारी जोन 3 के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। तथा समस्त वैज्ञानिकों से कहा कि निश्चित तौर पर सभी जनपदों की वार्षिक कार्य योजना किसानों की मांग के अनुरूप बनकर तैयार होगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ एसके सिंह ने सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों से कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए सभी वैज्ञानिक को मिलजुल कर कार्य करने का संकेत देते हुए कहा कि स्थानीय सभी प्रकार की ही एफ एल डी एवं ओएफटी पर उन्होंने

वैज्ञानिकों को सुझाव दिए।जिससे कि वार्षिक कार्य योजना किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार हो।और कृषकों को लाभकारी सिद्ध हो। अंत में धन्यवाद सह निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्रा ने फसलों के किस्मों का मूल्यांकन करके कृषकों को वितरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि,बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए क्रियान्वयन लिए जाने वाले गांव का चयन करके सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल दिया।साथ किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने किया।इस अवसर पर डॉ वीके कनौजिया, डॉक्टर एसएल वर्मा, डॉक्टर ए के सिंह, डॉक्टर आशा यादव सहित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

69, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, बुधवार, 21 जून, 2023 पृष्ठ: 8 मूल्य

वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की दो दिवसीय समीक्षा बैठक प्रारंभ

(रहस्य संदेश)

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की दो दिवसीय समीक्षा बैठक निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव के कुशल नेतृत्व में प्रारंभ हुई। इस समीक्षा बैठक में आईसीएआर अटारी जोन 3 के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। तथा समस्त वैज्ञानिकों से कहा कि निश्चित तौर पर सभी जनपदों की वार्षिक कार्य योजना किसानों की मांग के अनुरूप बनकर तैयार होगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ एसके सिंह ने सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों से कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए सभी वैज्ञानिक को मिलजुल कर कार्य करने का संकेत देते हुए कहा कि स्थानीय सभी प्रकार की फसलों के किस्मों का मूल्यांकन करके कृषकों को वितरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि,बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए क्रियान्वयन लिए जाने वाले गांव का चयन करके सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल दिया।साथ ही एफ एल डी एवं ओएफटी पर उन्होंने वैज्ञानिकों को सुझाव दिए।जिससे कि वार्षिक कार्य योजना किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार हो।और कृषकों को लाभकारी सिद्ध हो। अंत में धन्यवाद सह निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने किया।इस अवसर पर डॉ वीके कनौजिया, डॉक्टर एसएल वर्मा, डॉक्टर ए के सिंह, डॉक्टर आशा यादव सहित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष उपस्थित रहे।

देवराहा बाबा की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई

अलीगढ़,। पिसावा क्षेत्र के गांव महगौरा स्थिति शीलत वन आश्रम पर सोमवार को योगी सम्राट बाबा देवरहा की पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई।इस दौरान आश्रम पर ब्रज से आयी रास मंडलियों द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए।और आश्रम पर देवरहा बाबा का फूल बंगला भी सजाया गया।जिसके बाद आश्रम के प्रमुख महन्त बाबा जगन्नाथ दास महाराज द्वारा बाबा देवरहा की प्रतिमा का अभिषेक किया गया।।

जीवन शैली में बदलाव लाकर योग करें, स्वास्थ्य रहेगा उत्तम

❑ सीएसए में 'स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका' विषय पर सेमिनार का आयोजन

कानपुर, 20 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की ओर से स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए सीएसए के नये कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने बताया कि देश में हरित क्रांति के आगमन के समय बीज पर विशेष ध्यान दिया गया। उत्तम श्रेणी के बीजों का उत्पादन कर किसानों को मुफ्त में बीज दिए जाने का विशेष प्रयास किया गया। ठीक इसी प्रकार ही हमको सफलता करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण (फॉक्स अप्रोच) की आवश्यकता है जिसको योग एवं साधना के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। कुलपति ने योग को जीवन में अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बताया कि यह एक अद्भुत एवं अकल्पनीय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित कोई अंतरराष्ट्रीय दिवस मात्र 8 वर्ष की अवधि में वैश्विक आंदोलन बन जाए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होते देखना भारत के लिए एक बड़े गर्व की बात है। योग वस्तुतः शरीर का आत्मा में तथा आत्मा का परमात्मा में एक लय एकाकार हो जाना है। उनके द्वारा आह्वान किया गया कि प्लास्टिक का प्रयोग तुरंत बंद कर दिया जाना चाहिए तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने प्रति इकाई क्षेत्रफल पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए बागवानी को अपनाने की भी सलाह दी। कार्यक्रम में कार्यक्रम में शिक्षाविद, प्रेरक एवं गहन ध्यान विशेषज्ञ श्री रूद्रयोगी द्वारा बताया कि योग में विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान है। योग शरीर में औषधीय शक्ति जागृत करता है। योग को लेकर अब वैज्ञानिक दृष्टि स्थापित हो चुकी है। योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं अपितु एक संपूर्ण चिकित्सा विज्ञान है, जीवन दर्शन है, संपूर्ण आध्यात्मिक विधा है। योग एक गंभीर दार्शनिक चिंतन भी है तथा एक सहज सरल संतुलित जीवन शैली भी। मुख्य सलाहकार प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र आईआईटी कानपुर डॉ0 एस0 एल0 यादव द्वारा बताया गया कि समाधि भगवान के समतुल्य हो जाना है। उन्होंने बताया कि मुख्यतः 32 आसन है तथा शास्त्रों के अनुसार 32 आसन के द्वारा ही हम लोग आगे बढ़ सकते हैं। योगाचार्य राहुल यदुवंशी ने कहाकि योग से के माध्यम से ही जीवन में सुख प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्राणायाम से प्राण ऊर्जा जागृत होती है इसलिए योग की ओर अग्रसर होना ही वर्तमान समय की मांग है। योग विशेषज्ञ डॉ. सोनाली धनवानी ने बताया कि योग से बुद्धि को पर्वत से दृढ़ तथा समुद्र से भी गंभीर बनाया जा सकता है। योग में विभिन्न योगिक क्रियाओं के द्वारा रक्त, प्राण, नाडी ग्रंथि आदि का शोधन किया जाता है तथा योगाभ्यास से हमारे शरीर में उचित मात्रा में हारमोंस का स्राव होता है। कार्यक्रम में डॉ. रामप्यारे ने अपने कहा गया कि योग असीम आनंद की प्राप्ति का साधन है तथा शरीर का वात, पित्त एवं कफ समअवस्थाओ में आ जाता है, मन शांत हो जाता है तथा भीतर से गहरा संतोष मिलता है। कार्यक्रम में कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ पी.के. उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि डॉ0 सी0 एल0 मौर्य, निदेशक कृषि प्रयोग केंद्र डॉ0 पी0के0 सिंह, निदेशक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ0 विजय यादव, प्रभारी सब्जी विभाग डॉ0 आर0बी0 सिंह, प्राध्यापक डॉ0 कौशल कुमार द्वारा भी विचार व्यक्त किए गए।

सम्मानित किये गये सीएसए के नये कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह।

Sign in to edit and save changes to this file.

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 8, अंक : 27 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, बुधवार
21 जून, 2023
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

सीएसए में स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका विषय पर सेमिनार का आयोजन

शाश्वत टाइम्स

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति द्वारा अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि देश में हरित क्रांति के आगमन के समय बीज पर विशेष ध्यान दिया गया। उत्तम श्रेणी के बीजों का उत्पादन कर किसानों को मुफ्त में बीज दिए जाने का विशेष प्रयास किया गया। ठीक इसी प्रकार ही हमको सफलता करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण (फॉकस अप्रोच) की आवश्यकता है जिसको योग एवं साधना के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। कुलपति द्वारा योग को जीवन में अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बताया कि यह एक अद्भुत एवं अकल्पनीय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित कोई अंतरराष्ट्रीय दिवस मात्र 8 वर्ष की अवधि में वैश्विक आंदोलन बन जाए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होते देखना भारत के लिए एक बड़े गर्व की बात है। योग वस्तुतः शरीर का आत्मा में तथा आत्मा का परमात्मा में एक लय एकाकार हो जाना है। उनके द्वारा उनके द्वारा आह्वान किया गया कि प्लास्टिक का प्रयोग तुरंत बंद कर दिया जाना चाहिए तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने प्रति इकाई क्षेत्रफल पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए बागवानी को अपनाने की भी सलाह दी। कार्यक्रम में कार्यक्रम में शिक्षाविद, प्रेरक एवं गहन ध्यान विशेषज्ञ श्री रूद्रयोगी द्वारा बताया कि योग में विश्व की समस्त समस्याओं का समाधान है। योग शरीर में औषधीय शक्ति जागृत करता है। योग को लेकर अब वैज्ञानिक दृष्टि स्थापित हो चुकी है। योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं अपितु एक संपूर्ण चिकित्सा विज्ञान है, जीवन दर्शन है, संपूर्ण आध्यात्मिक विधा है। योग एक गंभीर दार्शनिक चिंतन भी है तथा एक सहज सरल संतुलित जीवन शैली भी। इस अवसर पर मुख्य सलाहकार प्राकृतिक चिकित्सालय एवं योग केंद्र आईआईटी कानपुर डॉ एसएल यादव द्वारा बताया गया कि समाधि भगवान के समतुल्य हो जाना है। उन्होंने योग एवं आसन को एक प्रशिक्षित योगाचार्य के मार्गदर्शन में ही किया जाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि मुख्यतः 32 आसन है तथा शास्त्रों के अनुसार 32 आसन के द्वारा ही हम लोग आगे बढ़ सकते हैं। योगाचार्य राहुल यदुवंशी द्वारा कहां गया कि योग से के माध्यम से ही जीवन में सुख प्राप्त किया जा सकता है। कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि डॉ सीएल मौर्य, निदेशक कृषि प्रयोग केंद्र डॉ पीके सिंह, निदेशक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय यादव, प्रभारी सब्जी विभाग डॉ आरबी सिंह, प्राध्यापक डॉ कौशल कुमार द्वारा भी विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ राजीव, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण तथा डॉ श्वेता सहअधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा की गई। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, संभ्रांत नागरिकों के साथ-साथ लगभग 650 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

किसानों की मांग के अनुरूप सभी जनपदों में बनेगी वार्षिक कार्ययोजना

कानपुर, 20 जून। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में आज वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला के पूर्व कृषि विज्ञान केंद्रों की दो दिवसीय समीक्षा बैठक निदेशक प्रसार डॉ आर के यादव के कुशल नेतृत्व में प्रारंभ हुई। इस समीक्षा बैठक में आईसीएआर अटारी जोन 3 के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। तथा समस्त वैज्ञानिकों से कहा कि निश्चित तौर पर सभी जनपदों की वार्षिक कार्य योजना किसानों की मांग के अनुरूप बनकर तैयार होगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ एसके सिंह ने सभी वरिष्ठ वैज्ञानिकों से कहा कि समन्वित कृषि प्रणाली के सुदृढ़ता के लिए सभी वैज्ञानिक को मिलजुल कर कार्य करने का संकेत देते हुए कहा कि स्थानीय सभी प्रकार की फसलों के किस्मों का मूल्यांकन करके कृषकों को वितरित किया जाना चाहिए। उन्होंने कृषि,बागवानी और संबंधित क्षेत्रों के संपूर्ण विकास के लिए क्रियान्वयन लिए जाने वाले गांव का चयन करके सामूहिक प्रयत्नों की आवश्यकता पर बल दिया।साथ ही एफ एल डी एवं ओएफटी पर उन्होंने वैज्ञानिकों को सुझाव दिए।जिससे कि वार्षिक कार्य योजना किसानों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार हो।और कृषकों को लाभकारी सिद्ध हो। अंत में धन्यवाद सह निदेशक प्रसार डॉ सुभाष चंद्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर जितेंद्र सिंह ने किया।इस अवसर पर डॉ वीके कनौजिया, डॉक्टर एसएल वर्मा, डॉक्टर ए के सिंह, डॉक्टर आशा यादव सहित समस्त कृषि विज्ञान केंद्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष उपस्थित रहे।

वर्ष-17 अंक-167 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, बुधवार 21 जून 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सीएसए में 'स्वास्थ्य व सुख में योग की भूमिका' विषय पर सेमिनार का हुआ आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य एवं सुख में योग की भूमिका विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। कुलपति द्वारा अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि देश में हरित क्रांति के आगमन के समय बीज पर विशेष ध्यान दिया गया। उत्तम श्रेणी के बीजों का उत्पादन कर किसानों को मुफ्त में बीज दिए जाने का विशेष प्रयास किया गया। ठीक इसी प्रकार ही हमको सफलता करने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण (फॉक्स अप्रोच) की आवश्यकता है जिसको योग एवं साधना के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। कुलपति द्वारा योग को जीवन में अपनाने की सलाह दी। साथ ही उन्होंने बताया कि यह एक अद्भुत एवं अकल्पनीय है कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित कोई अंतरराष्ट्रीय दिवस मात्र 8 वर्ष की अवधि में वैश्विक आंदोलन बन जाए। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित होते देखना भारत के लिए एक बड़े गर्व की बात है। योग वस्तुतः शरीर का आत्मा में तथा आत्मा का परमात्मा में एक लय एकाकार हो जाना है। उनके द्वारा उनके द्वारा आह्वान किया गया कि प्लास्टिक का प्रयोग तुरंत बंद कर दिया जाना चाहिए तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाए जाने चाहिए। इसके साथ-साथ उन्होंने प्रति इकाई क्षेत्रफल पर किसानों की आय बढ़ाने के लिए बागवानी को अपनाने की भी सलाह दी।

योगाचार्य श्री राहुल यदुवंशी द्वारा कहां गया कि योग से के माध्यम से ही जीवन में सुख प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्राणायाम से प्राण ऊर्जा जागृत होती है इसलिए योग की ओर अग्रसर होना ही वर्तमान समय की मांग है। योग विशेषज्ञ डॉ0 सोनाली धनवानी ने बताया कि योग से बुद्धि को पर्वत से दृढ़ तथा समुद्र से भी गंभीर बनाया जा सकता है। योग में विभिन्न योगिक क्रियाओं के द्वारा रक्त, प्राण, नाडी ग्रंथि आदि का शोधन किया जाता है तथा योगाभ्यास से हमारे शरीर में उचित मात्रा में हारमोंस का स्राव होता है। कार्यक्रम में के के आयोजक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ0 रामप्यारे द्वारा अपने स्वागत संबोधन में कहा गया कि योग असीम आनंद की प्राप्ति का साधन है तथा शरीर का वात, पित्त एवं कफ समअवस्थाओ में आ जाता है, मन शांत हो जाता है तथा भीतर से गहरा संतोष मिलता है। कार्यक्रम में कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ0 पी0के0 उपाध्याय, अधिष्ठाता कृषि डॉ0 सी0 एल0 मौर्य, निदेशक कृषि प्रयोग केंद्र डॉ0 पी0के0 सिंह, निदेशक निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ0 विजय यादव, प्रभारी सब्जी विभाग डॉ0 आर0बी0 सिंह, प्राध्यापक डॉ0 कौशल कुमार द्वारा भी विचार व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 राजीव, सह अधिष्ठाता छात्र कल्याण तथा डॉ0 श्वेता सहअधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा की गई। कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, वैज्ञानिकों, शिक्षकों, संभ्रांत नागरिकों के साथ-साथ लगभग 650 छात्र-छात्राओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।